नहीं किया गया है,यह मेरे प्रश्न का " ए " भाग है और बी यह है कि वारंगल में आज़मजाही मिल में हज़ारों एकड़ ज़मीन है जो बुनकरों को देने के काबिल है लेकिन भारत सरकार ने वहां पर कोई भी स्कीम नहीं बनाई है। हम आपके माध्यम से उनसे यह निवेदन करते हैं कि कोई न कोई योजना बनाकर वहां वर्कशेड-कम-हाऊस बनाने की व्यवस्था करें।

श्री सैयद शाहनवाज हुसैन : सभापति जी , रामचन्द्रय्या जी ने बहुत अच्छा सुझाव दिया है, इस पर हम विचार करेंगे।

Violations of Traffic Rules in Delhi

*47. SHRI NANA DESHMUKH: Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the drivers in Delhi flout the no-entry rule and drive at high speed at night resulting in frequent accidents and tragedies;

(b) whether the present strength of traffic police is sufficient to meet the traffic requirement in the city; and

(c) if so, the steps being taken by Government to man the roads in wee hours?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI HARIN PATHAK): (a) to (c) A Statement is laid on the Table of the House.

Statement

(a) There have been instances in which the drivers were found to have violated the "No entry" instructions or exceeded the prescribed speed limit.

(b) and (c) The rapidly increasing volume of vehicular traffic in Delhi makes it necessary to review and strengthen traffic management in the City on a continuing basis. The Government have accordingly taken several measures to strengthen the Delhi Traffic Police. These include creation of additional posts as and when required and increased use of modern, scientific traffic regulatory devices.

श्री नाना देशमुख : सभापति जी , मेरा सवाल भी ऐसा विचित्र है कि जम्मू – कश्मीर में तो हमारे बड़े –बड़े अफसर बलि के बकरे बन रहे हैं लेकिन दिल्ली जो देश की राजधानी है,यहां

रात्रि में किसी भी प्रकार की पुलिस की व्यवस्था नहीं होनें के कारण नेवल कमांडर को भी टैंकर के नीचे कुचला गया है । रात्रि में इस प्रकार के वाहन बड़ी तेज़ी के साथ चल रहे हैं जिनको चलाने वाले दिल्ली के लोग नहीं होते, अलग –बगल के राज्यों से ड्राइवर लाकर वाहन चलाए जा रहे हैं । पुलिस भी नहीं होती है और यह कहा जाता है कि ट्रैफिक पुलिस की संख्या जो 2000 है वह कम पड़ती है । इसलिए रात्रि में सड़कें खाली रहती हैं और बड़े एक्सीडेंट्स और लोगों की हत्यांए हो रही हैं । यह देश की राजधानी की स्थिति है । क्या हमारी सरकार इस दृष्टि से कोई विचार करेगी कि राजधानी दिल्ली की सड़कों पर लोगों की जो हत्याएं हो रही हैं, उन हत्याओं को रोकने का कोई इंतज़ाम हो ?

श्री हरिन पाठक : सभापति महोदय , इन्होंने बहुत अहम बात कहीं है जिसको मैं स्वीकार करता हूं । रात्रि को , जिसे वी आवर्स कहते हैं , अर्ली मोर्निग और लेट नाइट, स्वाभाविक है कि वहां पर हमारी डिप्लॉइमेंट कम होती है । कई बार ऐसी घटनाएं हो जाती हैं। वैसे हमारी पीसीआर वहां पर हैं .....

MR. CHAIRMAN: Question Hour is over.

WRITTEN ANSWERS TO STARRED QUESTIONS

Deteriorating Power situation in Delhi

*45. SHRI KALRAJ MISHRA:
DR. AKHILESH DAS:

Will the Minister of POWER be pleased to state:

(a) whether despite plentiful power supply to the Capital, it suffered from frequent and prolonged power break-downs during the last summer months;

(b) if so, whether this was attributable to the fragile transmission and distribution system;

(c) the reasons for not updating and augmenting the T&D system;

(d) whether it is a fact that with the privatization of distribution and sale of power, the power supply position has deteriorated and billing system has collapsed; and

(e) if so, the reasons for privatization?